

संपादकीय

निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी

यूक्रेन और रूस के बीच तुर्किये में शांति वार्ता का दूसरा दौर चल रहा है। इस खबर से दुनिया भर में राहत की सांस ली जानी चाहिए थी, लेकिन कोई इसके सार्थक परिणामों की उम्मीद नहीं कर रहा। दोनों देशों में अभी तक मृत सैनिकों के शवों और घायल सैनिकों की अदला-बदली पर ही सहमति बनी है, जबकि युद्ध तीन साल से बदस्तर जारी है। दोनों देशों में हो रही वार्ता की तुर्किए के विदेश मंत्री हक्कन फिदान अध्यक्षता कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बरिष्ठ अधिकारियों की हालिया टिप्पणियों से पहले ही संकेत मिल चुके हैं कि युद्ध को रोकने की दिशा में फिलहाल कोई ठोस प्रगति नहीं होने जा रही है। जग का हाल ये है कि रोज़ इसकी गंभीरता बढ़ती जा रही है। अग्रिम मोर्चे पर भीषण लड़ाई चल रही है और दोनों पक्ष एक-दूसरे के क्षेत्र में भीतर तक हमले कर रहे हैं। पहले इस युद्ध में यूक्रेन को कमज़ोर समझा जा रहा था और पूरी दुनिया मान बैठी थी कि यूक्रेन जल्द ही हथियार डाल देगा और रूसी राष्ट्रपति पुतिन अपने मकसद में कामयाब हो जाएंगे, लेकिन यूक्रेनी सेना इस युद्ध को तीसरे साल तक खांचने में कामयाब रही है।

रविवार को तो यूक्रेन ने रूस को एसा सबक सिखाया जिसे पुतिन और रूसी सेना कभी नहीं भूल पाएगी। यूक्रेनी सेना ने ड्रोन हमले करके रूस के भीतर कई अहम एयर स्ट्रिप को बरबाद कर 40 से अधिक रूसी विमानों की कब्रिगाह बना डाली। खिसियाया रूसी रक्षा मंत्रालय मार गिराए गए यूक्रेनी ड्रोन की संख्या बताकर ही खोझ मिटा रहा है। यूक्रेन पर रूसी हमले पहले की तरह जारी है। युद्ध अब अत्यधिक पैतरेबाजी तक पहुंच गया है। इसमें अब सैनिकों से ज्यादा ड्रोन की भूमिका हो गई है। युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र और बड़े देशों की भूमिका निंदनीय बनी हुई है। ये सभी इसे पुतिन का निजी मामला समझकर सुविधाजनक दूरी बनाए हुए हैं। यूक्रेन को सैन्य सामग्री देकर ही नाटो भी संतुष्ट है। अमेरिका रूस से तेल, गैस और यूरोपियन खरीदन वालों पर 500 फीसद शुल्क लगाने के विधेयक पर विचार की तैयारी कर रहा है। भारत और चीन इसका सीधा शिकार बनेंगे जो रूस से भारी मात्रा में ये सामान खरीद रहे हैं। इस युद्ध से पुतिन भी संकट में हैं, क्योंकि उन्होंने ऐसे युद्ध में गर्दन फंसा ली है जहां से निकलना संभव नहीं हो रहा। यूक्रेनी शहरों की तबाही और लाखों लोगों के विस्थापन के साथ दुनिया की भी सांस हल्क में अटकी है। इस्तांबुल वार्ता का किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी है।

सफलता ही नहीं बच्चों की असफलता के भी साथी बनें माता-पिता

(डॉ. फौजिया नसीम शाद-विभूति फीचर्स)



हर माता-पिता की यह स्थायीक इच्छा होती है कि उनके बच्चे पढ़ाइ में अबल हों और अन्य गतिविधियों में भी सबसे अगे रहें। यह सोच सराता ही है, लेकिन कोई तब उनके होती है जब बच्चा इन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उत्तर पाता। ऐसी स्थिति में माता-पिता को निराश अवश्य होती है, परंतु इस परिस्थिति में उन्हें संयम और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना अचूक आवश्यक होता है। अग्र माता-पिता बच्चे की असफलता को सहजता से स्वीकार करते हो वह असफलता ही अगे स्वीकार सफलता का मार्ग सकती है। इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना आवश्यक है-

सफलता और असफलता को समझें

सफलता सभी को पसंद होती है, परंतु असफलता को कोई स्वीकार करना चाहता है। लोग भल जाते हैं कि असफलता ही सफलता की पहली सीढ़ी होती है। इस सच को पहले माता-पिता को पढ़ाना चाहिए और अपने बच्चों को प्राथमिकता दें।

अग्र बच्चा आपकी अपेक्षाओं पर खरा उत्तरता है तो उसकी प्राप्ति को जानें और समझने को बढ़ावा दें। यदि नहीं भी उत्तरता, तब भी कोई असफलता को उनकी यात्रा का एक दिस्ता मानें, कोई अंतिम परिणाम नहीं। उनका साथ दें, उन्हें स्वीकारों की हार भी कभी जीत में बदल सकती है, तो यह न केवल बच्चों बल्कि पूरे समाज के लिए एक सकारात्मक बदलाव की दिशा बन जाएगी।



असफलताओं और कमज़ोरियों को भी खुले दिल से स्वीकारों यहीं एक सच्चे माता-पिता की पहचान है। प्रेम, धैर्य और समझदारी के साथ बच्चों को मार्गदर्शन देना ही उनकी संबल बन सकता है।

बच्चों की रुचियों को प्राथमिकता दें

अग्र बच्चा आपकी अपेक्षाओं पर खरा उत्तरता है तो उसकी सच्चाई को जानें और उन्हें समझें, उसकी रुचियों को जानें और उन्हें प्रोत्साहित करें। दोस्त बनाने के लिए एक गुरु

और उसे यह विश्वास दिलाएँ कि वह जैसा है, आप उससे बैसे ही प्रेम करते हैं।

अपेक्षाएँ दबाव न बनें

बच्चों से उनकी क्षमता से अधिक अपेक्षाएँ रखना उन्हें मानसिक तनाव और अवसान की ओर धकेल सकता है। कई बार यह उनका बदल जाता है कि वे अत्यधिक आपकी कदम भी उड़ा लेते हैं। बच्चों को आपकी उत्तमताओं की नियन्त्रित विश्वास दिलाएँ कि वह जैसा है, आप उससे बैसे ही प्रेम करते हैं।

बच्चों की रुचियों को प्राथमिकता दें

अग्र बच्चा आपकी अपेक्षाओं पर खरा उत्तरता है तो उसकी सच्चाई को जानें और समझने को बढ़ावा दें। यदि नहीं भी उत्तरता, तब भी कोई असफलता को उनकी यात्रा का एक दिस्ता मानें, कोई अंतिम परिणाम नहीं। उनका साथ दें, उन्हें स्वीकारों की हार भी कभी जीत में बदल सकती है, तो यह न केवल बच्चों बल्कि पूरे समाज के लिए एक सकारात्मक बदलाव की दिशा बन जाएगी।

(भागवत साह)

शब्द सामर्थ्य -080

वाएं से दाएं

1. भारत के विमान वित्तमंत्री 6. दित, उड़ाकर 7. असाम, पूर्वोत्तर का एक सार्वजनिक अवलोकन 23. लोग, प्रजा 25. नामी, किसी बस्तु वर्किंग अदि के पहचान 27. संसार का वादाशह, बादशाह, स्प्रिंग 28. फैलाना, विचार पैदा करना।

पर्परा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिन्ता, लक्षण, नाटक, एक सार्वजनिक अवलोकन 11. मार्केट, नामाने का चैन 12. अपाराधित अवलोकन 17. संतान का विकास 18. लोक अपराध की त्रिया 19. गढ़, पशुओं की खेती को जाह 20. गढ़ा, गढ़ाक, गढ़ान, वायान, वायान, अपाराध 21. आप्रय, कान 22. बूंदा, जरा, तांब 24. जुम, गृह 26. बाब जो की धारादर आपत 4. मालादर, धनवान, अमर 5. जान

प्राप्त करना, अनुभाव लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवाह, लालाच 11. मार्केट, नामाने का चैन 12. अपाराधित अवलोकन 17. संतान का विकास 18. लोक अपराध की त्रिया 19. गढ़, पशुओं की खेती को जाह 20. गढ़ा, गढ़ाक, गढ़ान, वायान, वायान, अपाराध 21. आप्रय, कान 22. बूंदा, जरा, तांब 24. जुम, गृह 26. बाब जो की धारादर आपत 4. मालादर, धनवान, अमर 5. जान

प्राप्त करना, अनुभाव लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवाह, लालाच 11. मार्केट, नामाने का चैन 12. अपाराधित अवलोकन 17. संतान का विकास 18. लोक अपराध की त्रिया 19. गढ़, पशुओं की खेती को जाह 20. गढ़ा, गढ़ाक, गढ़ान, वायान, वायान, अपाराध 21. आप्रय, कान 22. बूंदा, जरा, तांब 24. जुम, गृह 26. बाब जो की धारादर आपत 4. मालादर, धनवान, अमर 5. जान

प्राप्त करना, अनुभाव लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवाह, लालाच 11. मार्केट, नामाने का चैन 12. अपाराधित अवलोकन 17. संतान का विकास 18. लोक अपराध की त्रिया 19. गढ़, पशुओं की खेती को जाह 20. गढ़ा, गढ़ाक, गढ़ान, वायान, वायान, अपाराध 21. आप्रय, कान 22. बूंदा, जरा, तांब 24. जुम, गृह 26. बाब जो की धारादर आपत 4. मालादर, धनवान, अमर 5. जान

प्राप्त करना, अनुभाव लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवाह, लालाच 11. मार्केट, नामाने का चैन 12. अपाराधित अवलोकन 17. संतान का विकास 18. लोक अपराध की त्रिया 19. गढ़, पशुओं की खेती को जाह 20. गढ़ा, गढ़ाक, गढ़ान, वायान, वायान, अपाराध 21. आप्रय, कान 22. बूंदा, जरा, तांब 24. जुम, गृह 26. बाब जो की धारादर आपत 4. मालादर, धनवान, अमर 5. जान

प्राप्त करना, अनुभाव लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवाह, लालाच 11. मार्केट, नामाने का चैन 12. अपाराधित अवलोकन 17. संतान का विकास 18. लोक अपराध की त्रिया 19. गढ़, पशुओं की खेती को जाह 20. गढ़ा, गढ़ाक, गढ़ान, वायान, वायान, अपाराध 21. आप्रय, कान 22. बूंदा, जरा, तांब 24. जुम, गृह 26. बाब जो की धारादर आपत 4. मालादर, धनवान, अमर 5. जान

प्राप्त करना, अनुभाव लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवाह, लालाच 11. मार्केट, नामाने का चैन 12. अपाराधित अवलोकन 17. संतान का विकास 18. लोक अपराध की त्रिया 19. गढ़, पशुओं की खेती को जाह 20. गढ़ा, गढ़ाक, गढ़ान, वायान, वायान, अपाराध 21. आप्रय, कान 22. बूंदा, जरा, तांब 24. जुम, गृह 26. बाब जो की धारादर आपत 4. मालादर, धनवान, अमर 5. जान

प्राप्त करना, अनुभाव लगाना, कल्पना करना 7.

गरीबों-किसानों-श्रमिकों की समृद्धि का आधार 'मनरेगा': मुख्यमंत्री

भोपाल ब्यूरो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गरीब, महिला, किसान और युवाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के विजन को साकार करने के लिये देशभर में अभियान चलाया जा रहा है। राज्य सरकार इस अभियान को मिशन मोड में संचालित कर रही है। प्रदेश में कमज़ोर वर्गों के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की जा

ही हैं। इनमें मनरेगा योजना गरीबों के संकलनों और श्रमिकों की आर्थिक समृद्धि का आधार बनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस योजना के माध्यम से न सिर्फ गरीब, श्रमिकों और किसानों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला रहा है, बल्कि सिर्चाई की उपलब्धता भी बन रही है। योजना के अंतर्गत खेत-तालाब, अमृत-सरोवर, सुरुए, चेक-डैम, भूमि समतलीकरण, पड़बंदी, बागवानी, जल निकायों का निर्माण, जीर्णोद्धार और वर्षा जल संचयन संरचनाओं के निर्माण सहित जल संचयन के अन्य निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। मनरेगा योजना से जल गंगा संवर्धन अभियान में अब तक प्रदेश के 32 लाख लोगों को रोजगार मिला है। वर्ष 2025-26 में मजदूरों को अब तक लगभग 1500 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में निवासरत लोगों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिले, इसके लिए

जल संरक्षण में नवाचार, सॉफ्टवेयर से खेत-तालाब के लिए स्थान बदलना



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजयन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान के रूप में जल संरक्षण के संकल्प की सिद्धि का मिशन बन गया है। यह अभियान प्रदेश में जन-

सहभागिता की ऐतिहासिक पहल सिद्ध हुआ है। प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून, 2025 तक संचालित इस अभियान का उद्देश्य नदियों, जल स्रोतों और वेटलैंड्स का संरक्षण तथा पुनर्जीवन सुनिश्चित करना है। जल संरक्षण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की उपलब्धियों को देश भर में सराहना मिली है। प्रदेश में रिकॉर्ड खेत तालाब बनाए जा रहे हैं। खेत तालाबों के लिए स्थान चयन में नवाचार किया जा रहा है। इसके लिए सिपारी सॉफ्टवेयर की मदद ली जा रही है। सिपारी (सॉफ्टवेयर फॉर आइडेंटिफिकेशन एंड प्लानिंग ऑफ रूरल इन्फ्रास्ट्रक्चर) सॉफ्टवेयर को राज्य रोजगार गारंटी परिषद, भोपाल ने इसरो के सहयोग से तैयार कराया है। इस साफ्टवेयर का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण के लिए उपयुक्त स्थलों की सटीक पहचान कर गुणवत्तापूर्ण संरचनाओं का निर्माण सुनिश्चित करना है। यह सॉफ्टवेयर जीआईएस आधारित वैज्ञानिक पद्धतियों से जल संरचना स्थलों के चयन को अधिक सटीक बनाता है। प्राचीन जल धरोहरों को सहेजने का उत्सव 'बावड़ी-उत्सव' देवास जिले ने जल गंगा संवर्धन अभियान में जन अभियान परिषद की कन्नौद इकाई ने धूत कृषि फार्म की प्राचीन बावड़ी 'बाग कन्नौद' में पौधारोपण किया। इसके साथ हनुमान चालीसा का पाठ और भजन कीर्तन कर प्राचीन बावड़ी की सफाई की गई। बावड़ी को लाइटिंग और दीपों से सजाया गया। अग्निहोत्र

गंगा जी और नर्मदा जी की आरती और प्रसाद वितरण के साथ बावड़ी-उत्सव मानाया गया।

जल संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिए संगोष्ठी

जल गंगा संवर्धन अभियान में जनअभियान परिषद की नरसिंहपुर इकाई ने चिनकी के गांव श्रीराम आरण्यक में जल व पर्यावरण संरक्षण पर संगोष्ठी आयोजित की।

संगोष्ठी के बाद 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत सामूहिक पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण के संरक्षण संदेश दिया। संगोष्ठी में आने वाली पीढ़ी के प्रति जिम्मेदारी के निर्वाह के लिए पर्यावरण और जल संरक्षण के उपायों पर अमल करने का आह्वान किया गया। विशेषज्ञों ने आगामी मानसून के दिनों में जल का संरक्षण के उपाय बताये।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत रायसेन जिले में सिलवानी विकासखण्ड के आदर्श ग्राम ऊषापुर में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ने जल चौपाल का आयोजन किया। चौपाल में ग्रामवासियों को जल गंगा संवर्धन अभियान में सहभागिता का आहवान करते हुये जल संरक्षण का महत्व समझाया गया। गांव में सोच्वे गृह बनाने, मेढ़ बंधान बनाने और नदी, तालाब, कुओं के साफ-सफाई रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सर्व ग्रामवासियों को जल संरक्षण और संवर्धन की शपथ भर्दिलाई गई।

नियमों का उल्लंघन करने वाले ई-रिक्शा संचालकों के विरुद्ध की गई कार्रवाई

ग्वालियर कांस ।



शहर में यातायात को बेहतर बनाने के उद्देश्य से ई-रिक्शा के संचालन के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा ई-रिक्शा का कलर कोडिंग कर समय निर्धारित किया गया है। निर्धारित किए गए कलर कोडिंग के अनुरूप ई-रिक्शा का संचालन न करने वाले ई-रिक्शा संचालकों के विरुद्ध निरंतर यातायात पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है। रविवार को झांसी रोड थाना क्षेत्र में

कलर कोडिंग का उल्लंघन कर ई-रिक्शा संचालन कर रहे ई-रिक्शा संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

पर शहर में ई-रिक्शा का संचालन कलर कोडिंग कर दो पालियों में किया जा रहा है। यातायात पुलिस द्वारा ई-रिक्शा संचालकों को कलर कोडिंग एवं अपनी पाली में ही दिए गए हैं। निर्देशों का पालन न करने वाले ई-रिक्शा संचालकों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसके कड़ी में यातायात पुलिस द्वारा रविवार को झांसी रोड थाना क्षेत्र में

नियमों का उल्लंघन करने वाले ई-रिक्शा संचालकों के विरुद्ध की गई कार्रवाई

गवालियर कांस ।



A photograph showing a group of police officers in uniform standing near several auto-rickshaws parked on a paved area. One officer is speaking to a man in a light blue shirt. Other officers and a few civilians are visible in the background.

विंशतीदान दिवस पर जेसीआर्ड इंडिया मंडल 6 का रक्तदान शिविर संपन्न

ग्वालियर मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों में जेसीआई इंडिया मंडल 6 के अध्यक्ष जेसी अभिषेक गुप्ता के नेतृत्व में विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। यह शिविर ग्वालियर, डबरा, गुना, शिवपुरी, भोपाल, खंडवा, सागर और श्योपुर जैसे प्रमुख शहरों में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए इन शिविरों में सभी को मिलाकर लगभग 500 लोगों ने रक्तदान किया और समाज सेवा में अपना योगदान दिया रक्तदाताओं का पुष्प गुच्छ और मालाओं से स्वागत किया गया और उन्हें सर्टिफिकेट और गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया ग्वालियर रक्तदान शिविर में बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी डॉ केशव पांडेय उपस्थित थे। रक्तदान महादान है आपका किया हुआ दान किसके पास जाए रक्तदाता को भी मालूम नहीं होता है निश्चित आपका दुसरों का जीवन है एक यूनिट ब्लड से 3 लोगों की जान बचाई जाती है। सभी युवाओं को एव स्वस्थ व्यक्ति जिनकी उम्र 18 से 55 वर्ष है उनको स्वेच्छा से आगे आकर रक्तदान करना चाहिए। रेडकॉम

सोसाइटी ग्वालियर, जेएच ब्लड बैंक हॉस्पिटल ग्वालियर दोनों गवर्मेंट ब्लड बैंक को ब्लड दिया गया ग्वालियर में रक्तदान शिविर में वर्षों से सहयोग करने वाले जे एफ एम सुधीर त्रिपाठी ने विश्व रक्तदान दिवस 14 जून रक्तदान शिविर में कार्यक्रम में विशेष भूमिका निभाई और रक्तदान शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण अपना योगदान दिया जेसीआई इंडिया मंडल 6 भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक रक्तदान शिविरों का आयोजन करता रहेगा और समाज के सभी वर्गों के साथ मिलकर काम करेगा। इस तरह की सराहना की जानी चाहिए जेसी आई ग्वालियर मेट्रो ने रक्तदान शिविर का आतिथ्य किया अध्यक्ष जेसी प्रदीप पटेल ने स्वम रक्तदान किया इससे प्रेरणा लेकर अन्य लोग भी समाज सेवा में अपना योगदान देकर विमारी से पीड़ित लोगों की मदद करे। इस अवसर पर लोग वे अध्यक्ष एव सदस्य जेसी अनुपम तिवारी जेसी मनोज चौरसिया अभिषेक यादव, संजीव निरोतिया आनन्द शर्मा वैशिका राजवाड़े अभिषेक यादव, संजय यादव वी के शर्मा आर के सिंह आदित्य सोनी रवीन्द्र राजपूत विनय कुपर श्याम नामदेव सुनील मिश्रा सचिन एस एन वर्मा अखिलेश दांगी आदि मौजूद रहे।

केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा मनरेगा योजना चलाई जा रही है। मनरेगा योजना में लोगों को स्थानीय स्तर पर 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। प्रदेश में अप्रैल माह से अब तक 22 लाख परिवारों वे 32 लाख लोगों को मनरेगा योजना का लाभ मिला है। प्रदेश में बारिश वे पानी का बड़े स्तर पर संचयन किया जा सके, लोगों को रोजगार मिले, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन

अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत प्रदेश में बड़े स्तर पर जल संरचना के कार्य किए जा रहे हैं। 14 जून की स्थिति में प्रदेश में 80 हजार 496 खेत तालाब, एक लाख एक हजार 61 कूप रिचार्ज पिट और एक हजार 283 अमृत सरोवरों का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिल रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा तीन माह के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। वह

गान के अन्तर्चनाना त की खेत कूप अमृत हाँ है। वह पर प्रदेश गंगा। वह भी ऐसे समय में जब खेती-किसानी का समय नहीं रहता है। किसानों, गरीबों और श्रमिकों को रोजगार की तलाश रहती है। ऐसे में जल गंगा संवर्धन अभियान कारगर साबित हुआ है। मनरेगा के तहत स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला। जिससे काम की तलाश में दूसरे राज्यों या जिलों में नहीं जाना पड़ा। साथ ही लोगों के पलायन में भी कमी आई। मनरेगा योजना से मिलने वाली मजदूरी श्रमिकों-किसानों-गरीबों के लिए केवल

रोजगार का साधन नहीं, बल्कि खेती-किसानी, घरेलू ज़रूरतों और बच्चों की शिक्षा जैसी आवश्यकताओं को पूरा करने में भी मददगार बन रही है। योजना के माध्यम से खेत-तालाब, अमृत सरोवर, कूप रिचार्ज पिट, सड़कों का सुधार, वर्षा जल संचयन सहित अन्य विकास कार्य किए जा रहे हैं, जो ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत बना रहे हैं।